# यात्रा

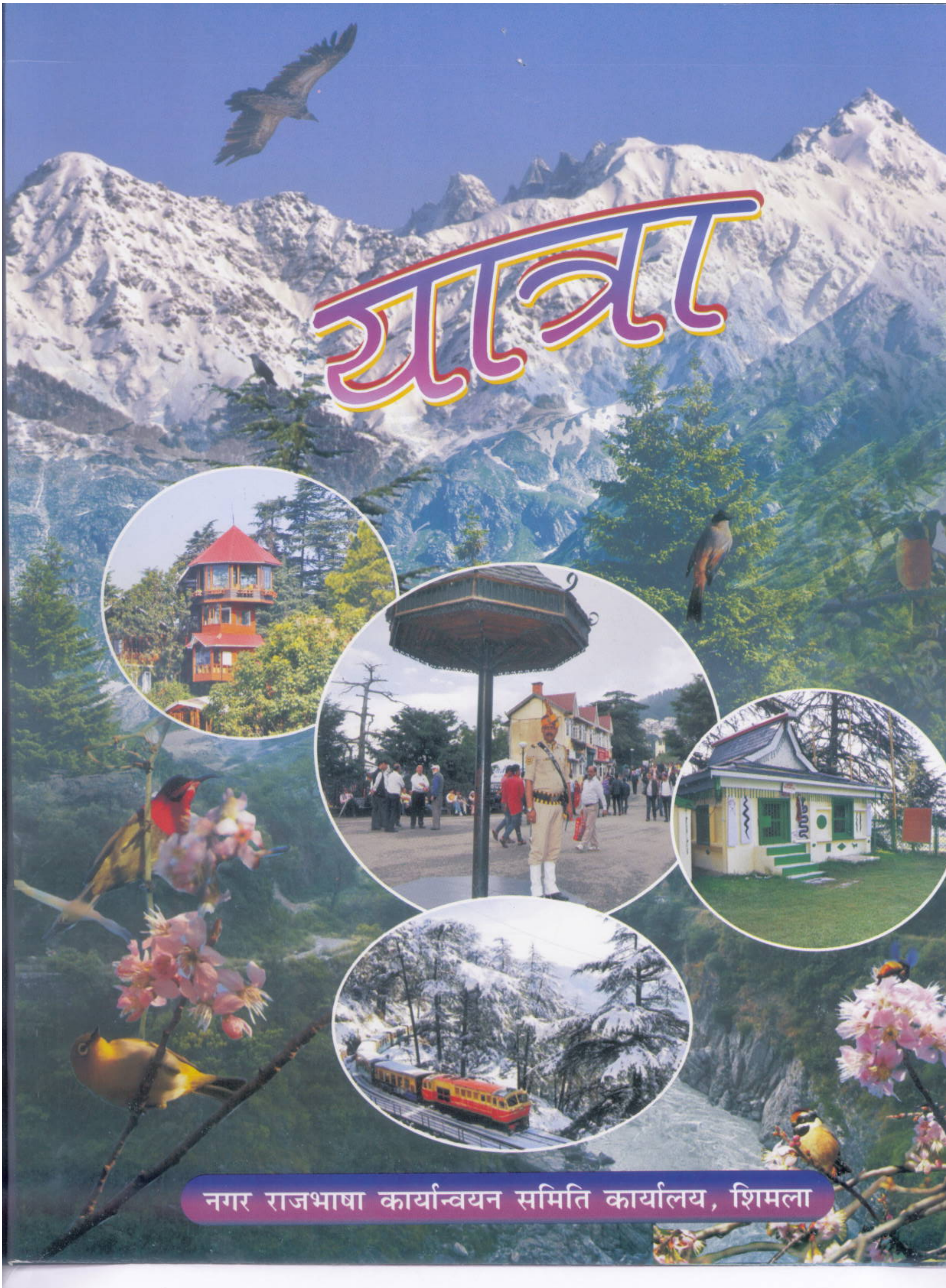

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति कार्यालय, शिमला

# नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, शिमला की बैठकों का आयोजन

# यात्रा

अंक - 21 वर्ष 2016

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (कार्यालय) शिमला की वार्षिक पत्रिका

**संरक्षक**

**श्री राजेन्द्र कुमार**
मुख्य आयकर आयुक्त एवं
अध्यक्ष, नराकास, शिमला

**मार्गदर्शक**

**श्री एच.सी. नेगी**
प्रधान आयकर आयुक्त एवं
उपाध्यक्ष, नराकास, शिमला

**संपादक**

**डॉ. सुरेन्द्र कुमार शर्मा**
सहायक निदेशक (राजभाषा) एवं
सचिव नराकास, शिमला
मो.: 09530702020

**सह-संपादक**

**डॉ. राजेश्वरी गौतम**
चीफ पोस्टमास्टर जनरल कार्यालय

**डॉ. पंकज कपूर**
केन्द्रीय विद्यालय जतोग

**सुश्री ऊषा गोस्वामी**
भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग

**श्री राजेश कुमार**
भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान

## नोट

इस पत्रिका में प्रकाशित रचनाओं में व्यक्त विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित रचनाकारों के हैं। सम्पादक मंडल का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। रचना की मौलिकता तथा अन्य किसी विवाद के लिए लेखक स्वयं उत्तरदायी होंगे।

इस पत्रिका को और अधिक उपयोगी बनाने के लिए पाठकों के सुझाव आमंत्रित हैं। -संपादक

## इस अंक में

| | | |
|---|---|---|
| 1. | आवरण पृष्ठ | 2 |
| 2. | संदेश | 3-10 |
| 3. | नराकास शिमला का वार्षिक राजभाषा समारोह की झलकियां | 11 |
| 4. | मुख्य आ.आ. कार्यालय, शिमला राजभाषा पुरस्कार समारोह | 12 |
| 5. | नराकास द्वारा हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन | 13-14 |
| 6. | नराकास के सदस्य कार्यालयों में राजभाषा गतिविधियां | 15-19 |
| 7. | सरकारी कामकाज में सुगम, सरल और सहज हिंदी का प्रयोग | 20 |
| 8. | नराकास द्वारा कार्यालयध्यक्षों को पुरस्कार | 21 |
| 9. | नराकास द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं के परिणाम | 22-25 |
| 10. | नराकास द्वारा आयोजित स्लोगन प्रतियोगिता के कुछ स्लोगन | 26 |
| 11. | आँसू | 27 |
| 12. | रूह की खेती लहलहा रही है | 28 |
| 13. | क्षणिकाएं | 29 |
| 14. | कागज़ के रिश्ते | 30 |
| 15. | रोज़गार और शादी | 31 |
| 16. | विचित्र चलचित्र | 32 |
| 17. | क्षणिकाएं | 33 |
| 18. | मैं 'शून्य' भी न हो सका | 34 |
| 19. | शील और सत्य ही आत्मा हैं | 35 |
| 20. | अपना अपना महाभारत | 36 |
| 21. | राजभाषा पुरस्कार | 37 |
| 22. | धन का सदुपयोग, बलि प्रथा अधर्म है | 38 |
| 23. | क्या तुम सच में बुरी हो | 39 |
| 24. | सूरज | 40 |
| 25. | क्यों तोड़ा तुमने इन कलियों को | 41 |
| 26. | गुरुकुल | 42-44 |
| 27. | माँ | 45 |
| 28. | सभ्यता की ओर एक नन्ही कुलाँच | 46 |
| 29. | हिन्दी मेरी संस्कृति | 47 |
| 30. | पंचतंत्र तथा प्रबन्धन क्षमताएं | 48-50 |
| 31. | गेहूँ एवं जौ रतुआ रोगों के शोधकार्यों का सारसंग्रह | 51-53 |
| 32. | पीलिया रोग - लक्षण, उपचार तथा रोकथाम | 54-55 |
| 33. | क्षणिकाएं | 55 |
| 34. | संत रविदास | 56 |
| 35. | नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, शिमला के सदस्य कार्यालयों की सूची | 57-59 |
| 36. | पिछले अंक के बारे में पाठकों के विचार | 60 |

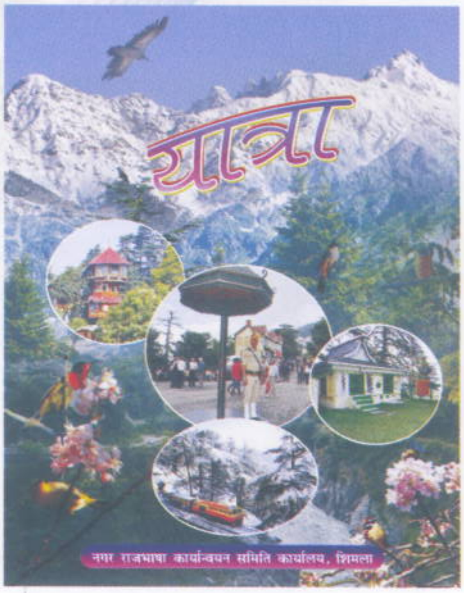


# आवरण पृष्ठ

सृष्टि की हर रचना अपनी 'यात्रा' पर है, चाहे वह नदी हो, प्राणी हों, वृक्ष हों, नक्षत्र हों। प्रत्येक की अपनी यात्रा है, अपनी गति है, अपना गंतव्य है। 'भाषा' की भी अपनी यात्रा है। 'भाषा बहती नीर' – कबीर। लेकिन शिमला की यात्रा का अपना ही रोमांच है, अपना आकर्षण है।

पत्रिका का आवरण पृष्ठ जहां हमारी समिति की 'राजभाषा यात्रा' का प्रतीक है वहीं हिमाचल की सौंदर्य यात्रा का भी। आवरण पृष्ठ के कुछ फोटोग्राफ श्री राजाघोष, आयकर सहायक आयुक्त के कैमरे की देन है। इसके लिए उनका हार्दिक आभार। हिमाचल का नाम ही हिम और आंचल से बना है। अत: हिमाचल के बर्फीले पर्वत हमेशा से सबके आकर्षण का केन्द्र रहे हैं। शिमला की रेल यात्रा का अपना ही रोमांच है। 1903 में बनी, पटरियों के बीच की दूरी 2.5 फुट, 103 सुरंगें और नदी–नाले एवं घाटियों को जोड़ते हुए छोटे–बड़े 870 पुल।

'नाल–देहरा यानि नागों का देवता'। नागदेव मंदिर। यहां के सौंदर्य का इतना आकर्षण कि लार्ड कर्जन ने अपनी बेटी का नाम ही बदलकर 'नाल देहरा' रख दिया। 'माल रोड़' के आकर्षण का केन्द्र स्कैंडल प्वाइंट – एक अपनी गाथा संजोए हुए। हिमाचल में पाए जाने वाले विभिन्न प्रजातियों के पक्षी। यही है हमारी 'यात्रा'।

*–डॉ. सुरेन्द्र शर्मा*

शमीमा सिद्दिकी
**SHAMIMA SIDDIQUI**
भारत के राष्ट्रपति की उप प्रेस सचिव
Deputy Press Secretary
to the President of India

सत्यमेव जयते

राष्ट्रपति सचिवालय,
राष्ट्रपति भवन,
नई दिल्ली-110004
**PRESIDENT'S SECRETARIAT,
RASHTRAPATI BHAVAN,
NEW DELHI-110004**

# संदेश

भारत के राष्ट्रपति, श्री प्रणब मुखर्जी को यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, शिमला द्वारा अपनी वार्षिक पत्रिका 'यात्रा' का प्रकाशन किया जा रहा है। आशा है पत्रिका में दी गई सामग्री पाठकों के लिए उपयोगी एवं ज्ञानवर्द्धक होगी।

राष्ट्रपति जी पत्रिका के प्रकाशन के लिए अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित करते हैं।

राष्ट्रपति की उप प्रेस सचिव

सत्यमेव जयते

भारत के उपराष्ट्रपति के
विशेष कार्य अधिकारी
OFFICER ON SPECIAL DUTY
TO THE VICE-PRESIDENT OF INDIA
नई दिल्ली/ NEW DELHI - 110011

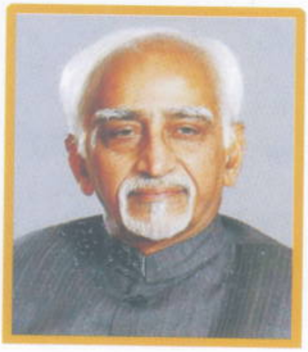

# संदेश

महामहिम उपराष्ट्रपति जी को यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति एवं मुख्य आयकर आयुक्त कार्यालय, दि माल, शिमला द्वारा शिमला स्थित केन्द्रीय सरकारी कार्यालयों में राजभाषा हिन्दी का प्रयोग बढ़ाने के उद्देश्य से वार्षिक पत्रिका **"यात्रा"** का प्रकाशन किया जा रहा है, जो एक सराहनीय प्रयास है।

उपराष्ट्रपति जी नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति एवं मुख्य आयकर आयुक्त कार्यालय, दि माल, शिमला के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कार्यालय के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करते हैं।

उपराष्ट्रपति जी प्रकाश्य वार्षिक पत्रिका "यात्रा" की सफलता हेतु अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित करते हैं।

नई दिल्ली
29 फरवरी, 2016

(अंशुमान गौड़)

**Acharya Devvrat**
Governor
Himachal Pradesh

सत्यमेव जयते

**आचार्य देवव्रत**
राज्यपाल
हिमाचल प्रदेश

# संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि शिमला स्थित केन्द्रीय सरकारी कार्यालयों में राजभाषा का प्रयोग बढ़ाने के उद्देश्य से शिमला नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा वार्षिक पत्रिका 'यात्रा' का प्रकाशन किया जा रहा है।

राजकाज के कार्यों के लिए हिन्दी हमेशा से ही उपयुक्त एवं प्रभावी रही है। यह प्रशासन व आम नागरिक के मध्य पत्राचार व संचार का सबसे सुलभ व सशक्त माध्यम है। लेकिन, हिन्दी को जो गौरव मिलना चाहिए था वह उसे नहीं मिल पाया। जबकि, यह पूर्णतय सत्य है कि जितने भी विकसित राष्ट्र हैं, उनकी अपनी मातृ भाषा ही राजभाषा है। लेकिन, हमें अपनी मातृ भाषा के पूर्ण उपयोग पर संकोच होता है, जो शायद विकास में बाधा है।

हिन्दी के पूर्ण उपयोग व प्रोत्साहन में शिमला नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के प्रयास सराहनीय हैं। मैं आशा करता हूँ कि वह भविष्य में भी अपने इन भागीरथ प्रयासों को जारी रखेगी।

'यात्रा' स्मारिका के सफल प्रकाशन की हार्दिक शुभकामनाएं।

(देवव्रत)

किरेन रीजीजू
**KIREN RIJIJU**

सत्यमेव जयते

गृह राज्य मंत्री
भारत सरकार
**MINISTER OF STATE FOR HOME AFFAIRS GOVERNMENT OF INDIA**

29 फरवरी, 2016

# संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, शिमला अपनी वार्षिक पत्रिका **"यात्रा"** का अगला अंक शीघ्र प्रकाशित करने जा रही है। सभी सदस्य कार्यालयों की अभिव्यक्ति की प्रतीक यह पत्रिका परस्पर संवाद करने का एक श्रेष्ठ माध्यम है।

2. केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों में राजभाषा के प्रयोग को बढ़ाने के लिए देश भर में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियां गंभीरता से कार्य कर रही हैं। यह एक ऐसा मंच है जिसके माध्यम से नगर स्थित सभी शासकीय कार्यालयों को राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में परस्पर किए जा रहे अच्छे कार्यों को जानने और उनका अनुसरण करने का अवसर प्राप्त होता है।

3. मैं शिमला के सभी सदस्य कार्यालयों को आह्वान करता हूं कि वे इस मंच का लाभ उठाएं और अपने कार्यालय में राजभाषा अधिनियम के प्रावधानों की अनुपालना सुनिश्चित करते हुए गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा समय समय पर जारी किए गए लक्ष्यों को प्राप्त करने का हर संभव प्रयास करें।

4. पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(किरेन रीजीजू)

गिरीश शंकर, आई.ए.एस.
सचिव
Girish Shankar, IAS
SECRETARY

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
राजभाषा विभाग
गृह मंत्रालय
तृतीय तल, एन.डी.सी.सी.-II भवन
जय सिंह रोड, नई दिल्ली-110001

GOVERNMENT OF INDIA
DEPARTMENT OF OFFICIAL LANGUAGE
MINISTRY OF HOME AFFAIRS
3rd FLOOR, N.D.C.C.-II BHAWAN,
JAI SINGH ROAD, NEW DELHI-110001
www.rajbhasha.gov.in

26 फरवरी, 2016

# संदेश

मुझे यह जानकर बड़ी प्रसन्नता हो रही है कि नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति शिमला की वार्षिक पत्रिका **"यात्रा"** निरंतर अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रही है।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों के गठन का उद्देश्य सभी सदस्य कार्यालयों में संघ की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन में आ रही बाधाओं का निवारण करना तो है ही, राजभाषा के प्रचार-प्रसार की इस पावन यात्रा में ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ना भी है। पत्रिका के माध्यम से सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सृजनात्मक अभिव्यक्ति, कार्यकुशलता, गुणवत्ता एवं प्रतिभा के प्रदर्शन का स्वर्णिम अवसर उपलब्ध होता है। सरकार की राजभाषा नीति के अनुपालन में राजभाषा पत्रिकाओं का प्रकाशन एक सराहनीय योगदान है।

मैं राजभाषा हिंदी की पत्रिका **"यात्रा"** के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आशा करता हूं कि आने वाले समय में पत्रिका अपने लक्ष्यों को प्राप्त करेगी।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित,

(गिरीश शंकर)

राजेन्द्र कुमार
**RAJENDRA KUMAR**

सत्यमेव जयते

अध्यक्ष
नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति
एवं मुख्य आयकर आयुक्त
हिमाचल प्रदेश, शिमला

# संदेश

हमारी पत्रिका 'यात्रा' के इस अंक के प्रकाशन पर मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है। हमारे लिए यह बहुत ही गौरव की बात है कि हमारी पत्रिका का प्रतिवर्ष नियमित प्रकाशन हो रहा है। इस पत्रिका के प्रकाशन से न केवल हमें एक दूसरे की गतिविधियों एवं प्रयासों की जानकारी मिलती है अपितु हमारे अधिकारियों और कर्मचारियों को अपनी सृजनात्मक प्रतिभा की अभिव्यक्ति का मंच भी उपलब्ध होता है।

पत्रिका के इस अंक में प्रकाशन के लिए हमें माननीय राष्ट्रपति जी, उपराष्ट्रपति जी, राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, गृह राज्य मंत्री एवं सचिव, राजभाषा विभाग के प्रेरणादायक संदेश प्राप्त हुए हैं, जिनके लिए हम उनके हार्दिक आभारी हैं।

मैंने कुछ समय पहले ही समिति के अध्यक्ष का कार्यभार ग्रहण किया है लेकिन समिति के कार्यों को देखकर मैंने महसूस किया है कि हमारी समिति ने सदस्य कार्यालयों में राजभाषा का प्रयोग बढ़ाने और कर्मचारियों में राजभाषा के प्रति जागरुकता लाने के लिए निरन्तर प्रयास किए हैं तथा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया है। परिणाम स्वरूप हमारे सदस्य कार्यालयों में राजभाषा के प्रयोग में काफी वृद्धि हुई है और राजभाषा संबंधी आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित हो रहा है।

हिंदी में कार्य करना न केवल हमारी प्रशासनिक एवं वैधानिक जिम्मेदारी है अपितु एक नागरिक के तौर पर नैतिक दायित्व भी है। मुझे आशा है कि हमारे कार्यालयों के वरिष्ठ अधिकारी स्वयं हिंदी में अधिक से अधिक कार्य करके अपने कार्मिकों को भी इसके लिए प्रेरित करते रहेंगे।

पत्रिका में जिन कार्मिकों की रचनाएं प्रकाशित हुई हैं वे सभी बधाई के पात्र हैं। आशा है कि इनसे प्रेरित होकर अन्य कार्यालयों से भी अगले अंक के लिए रोचक रचनाएं प्राप्त होंगी।

शुभकामनाओं सहित,

(राजेन्द्र कुमार)

एच. सी. नेगी
H. C. NEGI

उपाध्यक्ष
नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति
एवं प्रधान आयकर आयुक्त
हिमाचल प्रदेश, शिमला

सत्यमेव जयते

# संदेश

हमारे लिए यह बहुत ही गौरव और गर्व की बात है कि हमारी पत्रिका **'यात्रा'** का पिछले कई वर्षों से नियमित प्रकाशन हो रहा है। यह पत्रिका हमारे सदस्य कार्यालयों में राजभाषा के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। मैं आशा करता हूं कि सभी सदस्यों के सहयोग से इस पत्रिका का नियमित प्रकाशन होता रहेगा।

पिछले वर्ष हमारी समिति का विभाजन हो गया है। बैंकों और उपक्रमों के लिए अलग समिति का गठन किया गया है। लेकिन इसके बावजूद हमारी गतिविधियों और प्रयासों में कोई कमी नहीं आई है, बल्कि उनमें वृद्धि ही हुई है। यह सब हमारे सामूहिक प्रयासों से ही संभव हुआ है। इसके लिए मैं सभी सदस्यों को बधाई देता हूं।

हिन्दी केन्द्र सरकार की राजभाषा है। हिन्दी हमारी प्रदेश की मातृभाषा और राजभाषा भी है। अत: हिन्दी में कार्य करना न केवल हमारे लिए आसान है बल्कि इसके अधिक से अधिक प्रयोग से हमारे कार्यों में पारदर्शिता भी आती है और हम अपने कार्यालयों और विभागों की नीतियों, योजनाओं और प्रयासों की जानकारी लोगों तक आसानी से पहुंचाने में सफल होते हैं। मैं नराकास, शिमला के सदस्य कार्यालयों के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से अपील करता हूं कि आओ हम सब यह प्रण लें कि हम अपना अधिकतम कार्य केवल हिंदी में ही करने का प्रयास करेंगे।

(एच. सी. नेगी)

डॉ. सुरेन्द्र कुमार शर्मा
सहायक निदेशक (राजभाषा)

सत्यमेव जयते

सचिव
नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति
शिमला

# सम्पादकीय

आपकी अपनी पत्रिका 'यात्रा' के इस अंक को आपको सौंपते हुए मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा है 'यात्रा' का मुख्य उद्देश्य सदस्य कार्यालयों की राजभाषा गतिविधियों एवं नराकास के प्रयासों की जानकारी सभी सदस्यों तक पहुंचाना और सदस्य कार्यालयों के कार्मिकों को हिंदी में अपनी सृजनात्मक अभिव्यक्ति का मंच उपलब्ध कराना है, ताकि सदस्य कार्यालयों में राजभाषा हिंदी का प्रचार-प्रसार बढ़े और भारत सरकार की राजभाषा नीति का अनुपालन सुनिश्चित हो सके। मुझे आशा है कि 'यात्रा' का यह अंक अपने इस उद्देश्य में अवश्य सफल होगा। पिछले वर्ष हमारी समिति से उपक्रम, निगम और बैंक इत्यादि दूसरी समिति में चले गए हैं। अतः इस समिति की गतिविधियों में कुछ कमी आने की संभावना दिखाई दे रही थी, लेकिन आप सबके सामूहिक प्रयासों से हमारी गतिविधियों में कोई कमी नहीं आई है अपितु इनमें वृद्धि ही हुई है। मुझे आशा है कि राजभाषा के प्रचार-प्रसार में आपका सहयोग पहले की तरह ही हमें मिलता रहेगा।

केन्द्रीय सरकारी कार्यालयों में राजभाषा का प्रयोग बढ़ाने के लिए भारत सरकार नए-नए प्रयास कर रही है। संसदीय राजभाषा समिति ने भी अपने निरीक्षण कार्यक्रम बढ़ा दिए हैं। सरकार ने राजभाषा का प्रचार-प्रसार करने के लिए बोलचाल की सरल हिन्दी के प्रयोग की नीति अपनाई है। इस संदर्भ में सचिव, राजभाषा विभाग का परिपत्र पत्रिका में प्रकाशित किया गया है। इसके अनुपालन से निश्चय ही हमारे कार्यालयों में राजभाषा का प्रयोग बढ़ेगा और हिंदी में कार्य करने में सुविधा होगी। वास्तव में राजभाषा का स्वरूप वही होना चाहिए जो जनसामान्य के आपसी संवाद और व्यवहार का स्वरूप है। हम सबको पूरे मनोयोग से अपना कार्य हिन्दी में करना चाहिए क्योंकि हिंदी केवल सरकारी भाषा नहीं है अपितु यह तो हमारी राष्ट्रीय पहचान है।

मेरे पास शिमला का अतिरिक्त कार्यभार है। मैं यहां के लिए बहुत कम समय दे पाता हूँ। फिर भी मेरा यह प्रयास रहा है कि यहां की गतिविधियां न केवल पहले की तरह ही जारी रहें बल्कि उनमें और अधिक विविधता आए। मुझे प्रसन्नता है कि आप सबके सक्रिय सहयोग से न केवल इस प्रत्रिका का समय पर प्रकाशन संभव हुआ बल्कि अन्य गतिविधियां भी निर्विाध जारी हैं।

(डॉ. सुरेन्द्र कुमार शर्मा)

# नराकास शिमला का वार्षिक राजभाषा समारोह-2015

# मुख्य आयकर आयुक्त कार्यालय शिमला का राजभाषा पुरस्कार वितरण समारोह

नराकास शिमला द्वारा नगर स्तर पर

# हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, शिमला द्वारा सदस्य कार्यालयों के कार्मिकों के लिए वर्ष 2015 में नगर स्तर पर दो कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। प्रथम कार्यशाला दिनांक 11 अगस्त 2015 को भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला के तत्वाधान में आयोजित की गई जिसमें शिमला स्थित केन्द्र सरकार के विभिन्न कार्यालयों के लगभग 50 अधिकारियों व कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यशाला का शुभारंभ संस्थान के निदेशक प्रोफेसर चेतन सिंह के उद्घाटन भाषण से हुआ। अपने संबोधन में उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि पिछले कुछ वर्षों में सरकारी कार्यालयों में हिन्दी में कामकाज में उत्तरोत्तर बढ़ौतरी हुई है। उन्होंने कहा कि भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान एक उच्च स्तरीय शोध संस्थान है जहां विभिन्न समसामयिक विषयों पर खुली अकादमिक बहस होती है, अतः आज की इस राजभाषा

कार्यशाला में उन सभी संभावनाओं पर चर्चा होनी चाहिए जो देश को भाषायी तौर पर जोड़ने का कार्य करें। उन्होंने कहा कि वैश्वीकरण के परिप्रेक्ष्य में अनुवाद की भूमिका और बढ़ गई है। अतः आवश्यकता है कि विभिन्न भाषाओं में प्रकाशित उच्च गुणवत्ता वाली पुस्तकों का अंतर अनुवाद हो ताकि विश्व स्तर पर परस्पर ज्ञान का आसानी से आदान–प्रदान हो सके। आज के सूचना प्रौद्योगिकी युग में हिन्दी को प्रशासनिक प्रणाली में और अधिक कैसे प्रासंगिक बनाया जाए इन सभी पहलुओं पर भी इस कार्यशाला में चर्चा की जानी चाहिएं।

इस अवसर पर कालीकट विश्वविद्यालय, केरल के प्रोफेसर ए. अच्युतन, जोकि इन दिनों संस्थान में अध्येता हैं, ने कहा कि हिन्दी की जो पहले स्थिति थी अब वह नहीं है क्योंकि अब हिन्दी का प्रचार–प्रसार पहले की अपेक्षा काफी बढ़ा है। केरल का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा है कि गैर–हिन्दी भाषी प्रांत होते हुए भी वहां के लोग एक दूसरे के साथ हिन्दी बोलते हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा हिन्दी के व्यावहारिक प्रयोग के लिए बहुत से प्रोत्साहन कार्यक्रम चलाए गए हैं मगर अब समय आ गया है कि उन कार्यक्रमों का विश्लेषण, विवेचन और मूल्यांकन भी किया जाए। प्रोफेसर अच्युतन ने कहा कि यद्यपि हिन्दी देश के जनमानस की भाषा है और विविधताओं वाले इस राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोने का काम करती है मगर भूमण्डलीकरण के

परिदृश्य में राजभाषा के भावी स्वरूप के बारे में इस प्रकार की कार्यशालाओं में चर्चा होनी चाहिए।

विभिन्न सत्रों में चली इस कार्यशाला में राजभाषा की दशा व दिशा तथा आज के सूचना प्रौद्योगिकी के दौर में हिन्दी का प्रयोग किस प्रकार बढ़ाया जाए इत्यादि पर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, शिमला के सचिव डॉ. सुरेन्द्र शर्मा ने इस कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागियों को हिन्दी में सरकारी कामकाज करने के लिए

प्रेरित किया और राजभाषा अधिनियम, नियमों और सरकारी आदेशों के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने भारत सरकार के राजभाषा विभाग को भेजी जाने वाली तिमाही रिपोर्ट्स को सही ढंग से भरने की भी जानकारी दी। सहायक निदेशक (राजभाषा) रमेश चंद ने कम्प्यूटर पर हिन्दी में कार्य करने एवं यूनिकोड फांटस तथा ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के बारे में अपना व्याख्यान विस्तार से प्रस्तुत किया।

इस एक दिवसीय कार्यशाला का समापन प्रधान आयकर आयकर आयुक्त श्री एच.सी. नेगी के अभिभाषण से हुआ। उन्होंने संस्थान के निदेशक, प्रोफेसर चेतन सिंह का इस कार्यशाला के आयोजन में समिति के दिए गए सहयोग के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया तथा राजभाषा के प्रयोग के लिए प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि सरकारी कामकाज में हिन्दी का अधिक से अधिक प्रयोग करें। संस्थान के कार्यकारी सचिव श्री प्रेम चंद ने इस कार्यशाला में प्रधान आयकर आयुक्त श्री एच.सी. नेगी का स्वागत किया और उपस्थित प्रतिभागियों से भारत सरकार द्वारा निर्धारित राजभाषा के प्रयोग के लक्ष्यों को पूर्ण करने की अपील की।

## नराकास शिमला की दूसरी कार्यशाला जनवरी, 2016 में केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला में आयोजित की गई

इस कार्यशाला का शुभारंभ संस्थान के कार्यकारी निदेशक डॉ. विजय कुमार दुआ द्वारा किया गया। कार्यशाला में 56 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य कार्यालयों से 37 एवं संस्थान

के वैज्ञानिक व अन्य अधिकारी वर्ग से 19 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में श्री प्रवीन चांदला, पूर्व सहायक निदेशक (राजभाषा), डॉ. रविन्द्र कुमार, वैज्ञानिक एवं श्री हीरा नन्द शर्मा, सहायक प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। श्री चांदला ने अपने व्याख्यान में राजभाषा के प्रचार–प्रसार एवं संसदीय राजभाषा समिति की

प्रश्नावली को भरने की जानकारी दी, वहीं डॉ. रविन्द्र कुमार ने अपने व्याख्यान में विज्ञान में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग एवं कार्यान्वयन की कठिनाइयों एवं समाधान विषय पर पावर प्वाइंट के माध्यम से प्रेजेन्टेशन देकर समस्त प्रतिभागियों को मंत्रामुग्ध कर दिया। श्री हीरा नन्द शर्मा ने अपने व्याख्यान में 'सरकारी कार्य में हिन्दी का प्रयोग कैसे बढ़ाया जाए' नामक शीर्षक से प्रतिभागियों के मन में हिन्दी में कार्य करने के लिए जागरुकता पैदा की। कार्यशाला का संचालन डॉ. राकेश मणी शर्मा, प्रभारी (राजभाषा) द्वारा किया गया। कार्यशाला का समापन संस्थान के कार्यकारी निदेशक डॉ. विजय कुमार दुआ द्वारा किया गया। उन्होंने अपने समापन संबोधन में समस्त प्रतिभागियों से अपील की कि वे अपने दैनिक कार्यालयीन एवं प्रशासनिक कार्यों में अधिक से अधिक हिन्दी का प्रयोग करें।